GOVT. OF INDIA- RNI NO. UPBIL/2014/56766
UGC Approved Care Listed Journal
ISSN 2348-2397

LIS

शोध सरिता

An International Multidisciplinary Quarterly
Bilingual Peer Reviewed Refereed Research Journal

• Vol. 7 • Issue 28 • October to December 2020

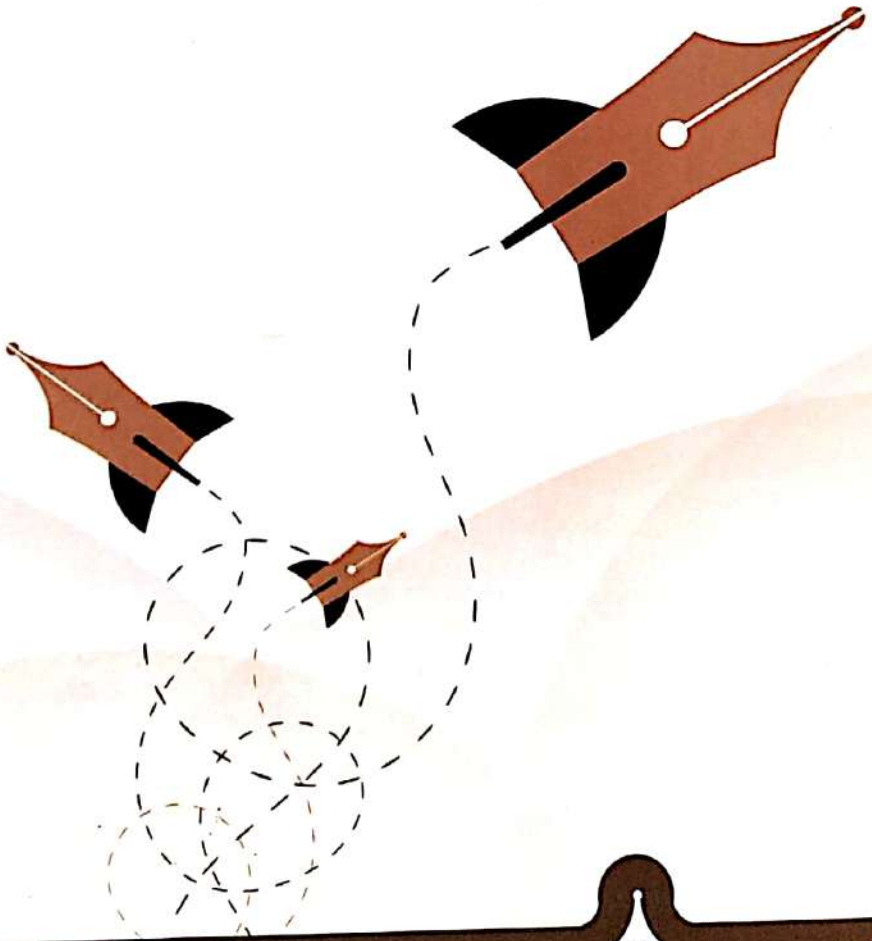

Editor in Chief
Dr. Vinay Kumar Sharma
D. Litt. - Gold Medalist

sanchar
Educational & Research Foundation

Scanned by CamScanner

GOVT. OF INDIA - RNI No. UPBIL/2014/56766

ISSN No. 2348-2397

UGC APPROVED CARE LISTED JOURNAL

JOURNAL OF

ARTS, HUMANITIES AND SOCIAL SCIENCES

LIS

शोध सरिता

AN INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY QUARTERLY BILINGUAL
PEER REVIEWED REFERED RESEARCH JOURNAL

* Vol. 7 * Issue 28 * October - December 2020

संपादक मण्डल

प्रो० सूर्यप्रसाद दीक्षित
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्रो० परमेश्वरी शर्मा
जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू

प्रो० कुमुद शर्मा
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो० सन्त राम वैश्य
गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

प्रो० सुधीर प्रताप सिंह
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

प्रो० राम प्रसाद भट्ट
हेम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी

प्रो० एस. चैल्लै
मदुरई कामराज, विश्वविद्यालय, मदुरई

प्रो० एम. पी. शर्मा
जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

प्रो० अब्दुल अलीम
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

प्रो० अजय कुमार भट्ट
एमिटी विश्वविद्यालय, हरियाणा

प्रो० गिरीश पंत
जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

प्रो० राकेश राय
नागालैण्ड विश्वविद्यालय, कोहिमा

प्रधान संपादक

डॉ. विनय कुमार शर्मा
अध्यक्ष
संचार एजुकेशनल एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन, लखनऊ

संचार एजुकेशनल एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन, लखनऊ (उ०प्र०), भारत द्वारा प्रकाशित

Scanned by CamScanner

PUBLISHER
Sanchar Educational & Research Foundation, Lucknow (U.P.) INDIA

PRINTER
Aradhya Prakashan
448 /119/76, Kalyanpuri Thakurganj, Chowk,
Lucknow -226003 U.P.,

SUBSCRIPTION / MEMBERSHIP FEE

Single Copy (Special Order) **Rs. 300/-**
Individual / Institutional

	FOR INDIANS	**FOR FOREIGNERS**	
One Year	Rs. 1000.00- (with Postal Charges)	Single Copy	US$60.00-
Five Years	Rs. 5,000.00- (with Postal Charges)	One year	US$150.00-
Life Time Membership	Rs. 10,000.00- (with Postal Charges)		

SPECIAL

All the Cheques/Bank Drafts should be sent in the name of the **SHODH SARITA**, payable at Lucknow.
All correspondence in this regard should be sent by **Speed Post** to the **Managing Editor, SHODH SARITA**

CHIEF EDITORIAL OFFICE

Dr. Vinay Kumar Sharma
M.A., Ph.D., D.Litt. - Gold Medalist
(AWARDED BY THE PRESIDENT OF INDIA)
Editor in Chief - SHODH SARITA
448 /119/76, Kalyanpuri Thakurganj, Chowk, Lucknow -226003 U.P.
Cell.: 09415578129, 07905190645
E-mail : serfoundation123@gmail.com

Publisher, Printer & Editor :-
Dr. Vinay Kumar Sharma Published at 448 /119/76 ,Kalyanpuri Thakurganj, Chowk, Lucknow-226003 U.P.
and printed by Aradhya Prakashan, 448 /119/76, Kalyanpuri Thakurganj, Chowk, Lucknow -226003 U.P.

- The Views expressed in the articles printed in this Journal are the personal views of the Authors. It is not essential for the Shodh Sarita Journal or its Editorial Board to be in agreement with the views of Authors.
- Any material published in this Journal cannot be reprinted or reproduced without the written permission of the editor of the Journal.
- Printing, Editing, selling and distribution of this Journal is absolutely honorary and non-commercial.
- All disputes will be subject to Lucknow jurisdiction only.

Scanned by CamScanner

21.	उपन्यास 'ऐलान गली जिन्दा है' का समीक्षात्मक अध्ययन	विनोद कुमार सिंह	87
22.	महाभारतकालीन ललितकलाएं और वर्तमान परिदृश्य	अंजू वर्मा डॉ० (श्रीमती) मनोरमा गुप्ता	91
23.	हिन्दी समीक्षा का प्रारम्भिक स्वरूप	डॉ0 आरती मिश्रा	95
24.	ऊषा प्रियंवदा की कहानियों में स्त्री अस्तित्व के लिए संघर्ष	डॉ0 जय प्रकाश यादव	98
25.	समकालीन हिन्दी नाटक में समाज	प्रा. डॉ. शिवाजी उत्तम चवरे	102
26.	अज्ञेय जी के कविताओं में चित्रित भारतीय जीवन दृष्टि	डॉ0 जयलक्ष्मी एफ. पाटिल	105
27.	डॉ. कर्मवीर भावराव पाटिल जी का शिक्षा क्षेत्र में योगदान	डॉ. शहनाज महमुदशा सय्यद	110
28.	स्वयंरोजगार का सशक्त माध्यम हिंदी चिट्ठाकार	डॉ0 दीपक रामा तुपे	113
29.	हिंदी उपन्यास : शैक्षिक सजगता की सशक्त अभिव्यक्ति	डॉ0 संजय मारुति कांबळे	116
30.	समकालीन कविता में दलित जीवन का 'दस्तावेज'	प्रा. डॉ. भूपेंद्र सर्जेराव निकालजे	119
31.	महिला उपन्यासकार और स्त्री चिंतन	डॉ0 उमा देवी	123
32.	गांधी जी के उद्योग शिक्षा के सिद्धांत में निहित मूल विचार	डॉ0 जितेंद्र पटेल	127
33.	'अकाल में उत्सव' उपन्यास में कृषक-जीवन की त्रासदी	डॉ. अनु पाण्डेय	130
34.	21वीं सदी में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध : एक चुनौतियाँ	प्रभदीप सिंह	133
35.	पंडित जसराज की गुरू शिष्य परंपरा	स्नेहा कुमारी	139
36.	भारत में पर्यटन क्षेत्र का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	डॉ. देवेंद्र कुमार पाण्डेय डॉ मनोज पाण्डेय डॉ. आनंद कुमार श्रीवास्तव	143
37.	कोविड–19 काल में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षिक अभिरूचि पर प्रभाव का अध्ययन	डॉ0 सीता त्रिपाठी	146
38.	कोरोना काल में सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ0 उमेश चन्द्र तिवारी	151
39.	संकटों की मूल आधुनिक सभ्यता	डॉ0 अनुज कुमार मिश्रा	156
40.	विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा की सांस्कृतिक मान्यताओं का स्वास्थ्य पर प्रभाव : एक अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के कबीरधाम जिले के विशेष संदर्भ में	अंजली यादव डॉ0 एस. एल. गजपाल	163
41.	दुग्ध उत्पादन व विपणन के क्षेत्र में महिलाओं के लिए अवसर	डॉ0 मनोज अवस्थी पवन कुमार वर्मा	167
42.	स्वच्छ भारत अभियान : गाँधी जी के विचार	डॉ0 उमेश सिंह	171
43.	कोविड–19 महामारी से शिक्षा क्षेत्र में आने वाली चुनौतियाँ और उनके समाधान डिजिटल शिक्षा के परिदृश्य में	किरन मौर्य डॉ० अनिल कुमार पाण्डा	175

Scanned by CamScanner

ISSN - 2348-2397
APPROVED UGC CARE
LIS
SHODH SARITA
SHODH SARITA
Vol. 7, Issue 28, October-December, 2020
Page Nos. 113-115
AN INTERNATIONAL BILINGUAL PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

स्वयंरोजगार का सशक्त माध्यम हिंदी चिट्ठाकार

डॉ0 दीपक रामा तुपे*

शोध सारांश

चिट्ठा आज एक खुद की वेबसाइट के रूप में उभर रहा डिजिटल माध्यम है, जिस पर चिट्ठाकार अपने अनुभव, विचार, आडियो–वीडियो और आलेख, समाचार साझा कर मानव–मानव को जोड़ने का प्रयास करता है। चिट्ठा या ब्लॉग लेखन करने वाले रचनाकार को चिट्ठाकार या ब्लॉगर कहा जाता है। दूसरे शब्दों जो रचनाकार हमेशा अपने ब्लॉग पर विभिन्न आलेख, आडियो–वीडियो पाठ पोस्ट करता है, उसे चिट्ठाकार कहा जाता है। चिट्ठाकार एक चिट्ठा होस्टिंग सेवा है; जो गूगल ब्लॉगर पोग्राम के तहत आपूर्ति की जाती है।

Keywords : गूगल ब्लॉगर पोग्राम, चिट्ठाकार, डिजिटल माध्यम, ब्लॉगिंग

- **चिट्ठा संकल्पना :**

मूलतः http://www.blogger.com वेबसाइट के जरिए हर जी–मेल अकांउटधारक अपना ब्लॉग शुरू कर सकता है। जूस्टिन हैल नामक एक अमेरिकन छात्र ने विश्व का पहला ब्लॉग links.net बनाया। जहाँ उन्होंने अपने वैयक्तिक जीवन के अनुभव साझा किए। ब्लॉग अंग्रेजी शब्द वेब लॉग (web blog) का संक्षिप्त रूप है। प्रारंभिक काल में जोरन बारगेर ने इसे मजाक के तौर पर We blog शब्द कह दिया। कलांतर में सिफ ब्लॉग शब्द शेष रह गया। यह शब्द इंटरनेट की दुनिया में चर्चित रहा। चिट्ठा लेखन को चिट्ठाकारिता यानी ब्लॉग लेखन को ब्लॉगिंग कहा जाता है।

- **चिट्ठाकारिता का इतिहास :**

सन् 1998 में एक संगणक प्रोग्रामर एवं वेबसाइट डेवेलपर ब्रुके एबलेसन ने Open dairy ब्लॉग बनाया, जिस पर उपयोगकर्ता अपनी खुद की डायरी लिख सकता था। पेटेर मेरहोलज ने वर्ष 1999 में we blog नाम छोटा करके blog कर दिया। इसी वर्ष पयरा लैब्स ने Blogger नामक पहला चिट्ठा प्लेटफार्म बनाया; जिसमें ब्लॉगर बिना कोडिंग किए लिख सकते थे। वर्ष 2003 में गूगल ने Blogger और Adsensesa खरीद लिया और Matt mullenweg ने wordpress लॉन्च किया। वर्ष 2007 में Tumblr के लॉन्च साथ मिक्रोब्लोगिंग कांसेप्ट का जन्म हुआ, जिससे ब्लॉगर जीप्स, वीडियो, इमेज और एस. एम. एस. और ई–मेल के माध्यम से पोस्ट भेजने लगे। सन् 2007 से ब्लॉग ने एक डायरी का रूप छोड़ दिया और बिजनेस का रूप धारण कर लिया। पायरा लैब्स ने 23 अगस्त, 1999 को एक होस्टिंग टूल के रूप में इस वेबसाइट का आरंभ किया। वर्ष 2003 में इसे गूगल ने खरीद लिया, तब से यह निःशुल्क होस्टिंग वेबसाइट के रूप में चर्चित है। 13 मई, 2005 में ब्लॉगर का निजी लेखन शुरू हुआ। यह सेवा अंग्रेजी, हिंदी, फारसी समेत देशभर की अन्य 57 भाषाओं में उपलब्ध है। 18 फरवरी, 2010 से ब्लॉगर ने खुद का पृष्ठांकन यानी ऑटो पेजीनेशन शुरू कर दिया। चिट्ठा का आरंभ सन् 1992 ई. में लॉंच जालस्थल के साथ ही हो चुका था; मगर 1990 के अंतिम वर्षों में चिट्ठाकारिता ने बल पकड़ लिया। आरंभिक काल में चिट्ठा संगणक की बुनियादी जानकारी से संबंधित था, मगर आज लेखक के शौक के अनुसार उसमें बदलाव आया हुआ दिखाई देता है। विश्व का पहला चिट्ठा 'दि जर्नी' माना जाता है; जिसे ब्लॉगर एडमकोन्ट्रास ने पोस्ट किया था। इस ब्लॉग की तत्कालीन समय में काफी सराहना भी हो चुकी थी।

वस्तुतः ब्लॉगर का प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देने हेतु हिंदी चिट्ठाजगत परिकल्पना सम्मान हर साल अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ब्लॉगर वार्षिक सम्मेलन में दिया जाता है; जिसमें देश–विदेश से ब्लॉगर्स शामिल होते हैं। ब्लॉगरकॉन के माध्यम से इस सम्मेलन में अपनी बात विश्व के सामने रखते हैं। सम्मेलन में उन्हें 'दि ब्लॉगीज' पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाता है। हिंदी भाषा के प्रथम चिट्ठाकर आलोक कुमार ने 'नौ दो ग्यारह' (9211) नामक चिट्ठा शुरू किया। इतना ही नहीं; ब्लॉग के लिए 'चिट्ठा' शब्द का पहली बार प्रयोग भी उन्होंने ही किया। हाल ही में वे चिट्ठाजगत.इन नामक हिंदी ब्लॉग ऍग्रीगेटर का संचालन करते हैं। दरअसल चिट्ठा एक निजी जालस्थल ही होता है, जो एक दैनंदिन डायरी की तरह होता है। सन् 2007 ई. से लगातार चिट्ठों की संख्या दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। वर्ष 2011 में तकरीबन 17 करोड़ 30 लाख ब्लॉग बने

*सहायक प्राध्यापक – हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

Scanned by CamScanner

हुए थे। समग्र अंतरजाल पर ब्लॉग की संख्या 44 करोड़ से अधिक बन गई है, जिस पर प्रतिमाह तकरीबन 70 करोड़ पोस्ट अपलोड की जाती है और 40 करोड़ से अधिक लोग ब्लॉग के पाठक बने हुए है। आज तकरीबन 130 मिलियन ब्लॉग का विधिवत संचालन हो रहा है। आज सूचना प्रौद्योगिकी के युग में चिट्ठा या ब्लॉग का प्रचलन ज्यादा मात्रा में दिखाई दे रहा है। हिंदी चिट्ठाकारिता के बढ़ते प्रचलन से समीक्षकों ने ब्लॉग समीक्षा भी आरंभ की है। हिंदी चिट्ठों की आलोचना वर्ष 2007 में रवींद्र प्रभात ने शुरू की। उन्होंने 'ब्लॉग विश्लेषण' के तहत पद्यात्मक और गद्यात्मक रूप में 11 खंडों में चिट्ठों का विवेचन–विश्लेषण प्रस्तुत किया। वर्ष 2011–2012 में ब्लॉग जगत की 25 खंडों की वार्षिक रिपोर्ट आई; जिससे पहली बार ब्लॉग लेखन का इतिहास दुनिया के सामने प्रस्तुत किया गया। रवींद्र प्रभात ने इसमें चिट्ठा जगत के माध्यम से प्रमुख चिट्ठाकारों को एक मंच पर पेश किया और मौलिक सोच के माध्यम से सकारात्मक प्रवृत्तियों को रेखांकित किया।

- **चिट्ठाकारिता तकनीक :**

दरअसल ब्लॉग का पंजीकरण हम निःशुल्क एवं वैकल्पिक रूप से कर सकते हैं। हर ब्लॉगर का एक नया डोमेन नेम होता है। ब्लॉग पर प्रस्तुत हर पोस्ट की एक लिंक बन जाती है; जिसे आप सोशल मीडिया पर शेयर भी कर सकते हैं। ब्लॉगर गूगल एडसेन्स के तहत ब्लॉग पर प्रासंगिक विज्ञापन दिखाकर ब्लॉग को अपनी आय का साधन बना सकता है। "गूगल एडसेन्स आपके ब्लॉग पर प्रासंगिक लक्षित विज्ञापन दिखा सकता है ताकि आप अपने जुनून के बारे में पोस्ट करके पैसे कमा सकें।" एक चिट्ठा का कार्य चिट्ठाकार पर निर्भर करता है। इसमें व्यवसायिक कार्य, चित्र, विषय, पाठ, टीका–टिप्पणियाँ, लिंक्स, बाहरी कड़ियाँ, निजी दैनंदिन क्रिया–कलाप, वैचारिक आदान–प्रदान, साहित्य लेखन, समाचार एवं जानकारी का प्रस्तुतिकरण किया जा सकता है। ज्यादातर ब्लॉग पाठ स्वरूप में होते हैं। वायरल वीडियो की ख्याति देखते हुए अधिकांश चिट्ठाकारों और निगमों ने अपनी वेबसाइटों पर चिट्ठाकारिता प्रारंभ कर दी है।

ब्लॉग का कंटेंट दर्शक एवं पाठकों की रुचि का हो तो वह ब्लॉग जनमानस में चर्चित रहता है। ब्लॉगर की हजारों पोस्ट, फोटो और निःशुल्क जानकारी पाठकों को आकर्षित करती हैं। इसमें ब्लॉगर ब्लॉग पर अपनी विशेषज्ञता रेखांकित कर सकते हैं, ताजा समाचार साझा कर सकते हैं, अपनी मनचाहा बात पेश कर सकते हैं, अपने ब्लॉग को प्रतिबंधित कर सकते हैं, बदलाव की अनुमति दे सकते हैं, मनचाहा कंटेट अपलोड कर सकते हैं, ब्लॉग पेज जोड़ सकते हैं, मनचाहा टेम्प्लेट डिजाइन कर सकते हैं, पाठक वर्ग तय कर सकते हैं, नया ब्लॉग शुरू कर सकते हैं। इतना ही नहीं; ब्लॉग का पता और यूआरएल चुनकर सेव कर सकते हैं। ब्लॉग पेज दिखाने की जगह में बदलाव कर सकते हैं। दरअसल यह पेज ब्लॉग का सबसे ऊपरी टैब के तौर या लिंक के तौर पर एकतरफा दिखाई देते हैं। ब्लॉग पेज पर पोस्ट अपलोड की जा सकती है या ड्रॉप की जा सकती है अर्थात् पोस्ट चुनकर आप उसे हटा सकते हैं, उसे संशोधित कर सकते हैं, अद्यतन बना सकते हैं और उसे मैनेज भी कर सकते हैं, पोस्ट प्रकाशित करने पर कैसी दिखेगी? यह व्यू करके देख सकते हैं, अपनी पोस्ट व्यवस्थित करने के लिए लेबल का इस्तेमाल कर सकते हैं। वस्तुतः ब्लॉग के पाठक को कंटेंट फिल्टर करने के लिए लेबल का इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी पोस्ट पर एक से अधिक लेबल जोड़ने के लिए लेबल के बीच अल्पविराम का प्रयोग किया जाता है। असल में लेबल की मदद से पोस्ट ढूँढने या फिल्टर करने में मदद होती है, लेबल से अपने पोस्ट का शेड्यूल बना सकते हैं। इसमें ब्लॉग पोस्ट के लिए ई–मेल का इस्तेमाल किया जाता है। ब्लॉग पर दूसरे की समग्री या कंटेंट बिना सहमति पोस्ट करना यानी कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करना है। हालाँकि किसी के बिना अनुमति अश्लील तस्वीर, नफरत, हिंसक और आपत्तिजनक कंटेंट ब्लॉग पर पोस्ट करने से बचना चाहिए, ताकि किसी की अवमानना न हो जाए। अपने ब्लॉग में फोटो, वीडियो और अन्य सामग्री अपलोड करते समय उसे साइज, कैप्शन, अलाइनमेंट दे सकते हैं। यहाँ तक कि इमेज को प्रतिबंधित एवं प्रबंधित कर सकते हैं। यू–ट्यूब या संगणक से वीडियो अपलोड कर सकते हैं, पाठक ब्लॉग को देख सकते हैं, पढ़ सकते हैं, फॉलो कर सकते हैं, डाउनलोड कर सकते हैं और मिटा सकते हैं, ब्लॉग की किसी भी पोस्ट पर टिप्पणियाँ दे सकते हैं, ब्लॉगर अनचाही टिप्पणियों पर रोक लगाई जा सकती है, उसे संशोधित किया जा सकता है, टिप्पणियों को मिटाया जा सकता है, स्पैम में डाला जा सकता है, टिप्पणियों को प्रबंधित किया जा सकता है। ब्लॉग का एक से अधिक खाते में साइन इन किया जा सकता है और जानकारी को एक से दूसरे खाते में डाला जा सकता है।

ब्लॉग बनाने के लिए सिर्फ गूगल पर अपना खाता खोलने की आवश्यकता होती है। साइन अप करने के लिए प्रयोक्ता को एक अलग नाम रखना पड़ता है जो उसके ब्लॉग का नाम होता है; जिसे डोमेन नेम कहा जाता है। गूगल पर हजारों उपकरण हैं जिसे ब्लॉग्स के साथ जोड़ा जा सकता है। इन सुविधाओं के सहयोग से ब्लॉगर बहुपयोगी ब्लॉग बना सकता है। कई ब्लॉगर एक ही ब्लॉग पर अपना योगदान देते हैं। इतना ही नहीं; अपने ब्लॉग के ऐक्सेस को नियंत्रित कर सकते हैं। इसमें आप असीमित ब्लॉग बना सकते हैं, मगर ब्लॉग का मुखपृष्ठ या पुरालेख पृष्ठ एक एमबी तक सीमित होना अनिवार्य होता है। लेबल्स की संख्या दो हजार तक सीमित रहती है। कुल भंडार के एक जीबी तक चित्र पिकासा जाल संग्रह से हाइपर लिंक्ड किया जा सकता है। बस! वह चित्र 800 पिक्सेल में और 250 केबी तक सीमित होना अनिवार्य है। ब्लॉगिंग की दुनिया में रचनाकार की निजी स्वतंत्रता, निजी विचार, सार्थक चर्चाएँ मौजूद हैं। जहाँ लेखक को निजी स्वतंत्रता का स्पेस होता है वहाँ लेखक उसका उपयोग अपने तरीके से करता है। अक्षरग्राम नेटवर्क हिंदी चिट्ठाकारों एवं तकनीकिज्ञों का, बिना लाभकारी संगठन है, जो संगणक और अंतरजाल के माध्यम से हिंदी प्रयोग को बढ़ावा देता है। यह

Scanned by CamScanner

संगठन हिंदी चिट्ठाकारी से संबंधित विभिन्न सेवाएँ देता है। इसमें चिट्ठाकार डाक सूची, चिट्ठाकार समूह सूची, पेंचकस डाक सूची, फ्लीकर – हिंदी चिट्ठाकारों का समूह, यूट्यूब – हिंदी चिट्ठाकार समूह, हिंदी चिट्ठाकारों का फ्रॅकर मैप, हिंदी ब्लॉगर सूची, हिंदी चिट्ठाकारों की वेबरिंग आदि संगठन हिंदी चिट्ठे का प्रचार–प्रसार करने का प्रयास करते हैं। ब्लॉग प्रहरी, ब्लॉग जगत, चिट्ठा चर्चा, सर्वज्ञ, निरंतर, हमारी वाणी, ब्लॉग सेतु, ब्लॉग जगत, हिंदीब्लॉग्स. ऑर्ग, ब्लॉगवाणी आदि ब्लॉग समुदाय ऑनलाइन जानकारी एवं विचारों का संचालन कर रहे हैं।

- **चिट्ठाकारिता के लाभ :**

आज हर कोई ब्लॉगिंग कर सकता है। कई चिट्ठाकार शौकिया ब्लॉगर होते हैं तो कई पार्ट टाइम ब्लॉगर होते हैं तो कई फुल टाइम ब्लॉगर होते हैं तो कई प्रोफेशनल ब्लॉगर होते हैं। जिस प्रकार व्यक्ति किसी व्यवसाय से पैसे कमाने के लिए प्लानिंग एवं परिश्रम उठाता है उसी प्रकार एक ब्लॉगर भी अपनी कमाई में बढ़ोतरी करने के लिए निरंतर मेहनत करता रहता है। चिट्ठा बनाने के कई लाभ बनाए जा सकते हैं; जैसे–अपने विचारों की अभिव्यक्ति करना, जानकारी साझा करना, ऑनलाइन पोर्टफोलिया बनाना, नई नौकरी हासिल करना, ऑनलाइन पैसे कमाना, बिजनेस को बढ़ावा देना, अपने क्षेत्र में नाम कमाना, बेहतर लेखक बनना, अपना खुद का बेहतर नेटवर्क बनाना, दूसरों की मदद करना, दूसरों को सिखाना और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महारत हासिल करना आदि। इसके अलावा अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कई ब्लॉगर इन दिनों फैशन, फिटनेस, फूड, समाचार, लाइफ स्टाइल, खेल–कूद, फिल्म, गेमिंग, फाइनेंस, राजनीति, बिजनेस, साहित्य, पर्यावरण, विज्ञान, संस्कृति आदि विषयों पर ब्लॉग लेखन कर रहे हैं। आज ब्लॉग एक पैसा कमाई के साधन के रूप में उभर रहा है। ब्लॉग की आय का मुख्य साधन विज्ञापन है। एफिलिएट मार्केटिंग, खुद का सामान बेचना, सर्विस देना, अपने व्यवसाय का प्रचार–प्रसार करने हेतु ब्लॉगिंग किया जाता है। "एक ब्लॉग किसी भी कार्य के लिए प्रयोग किया जा सकता है, चाहे वह निजी दैनंदिन के रूप में हो या व्यवसायिक कार्य के लिए या सामान्य रूप में अपने विचार दूसरों तक पहुँचाने के लिए ब्लॉगिंग का ज्यादा उपयोग किया जाता है।"[2] छात्र, नौकरीपेशा व्यक्ति, गृहिणी आदि अपने विषय की जानकारी एवं अपने विचार ब्लॉग के माध्यम से रख सकते हैं। चिट्ठा एक ऐसा माध्यम है, जो जानकारी को निःशुल्क रूप से समग्र विश्व के सामने रख देता है। इन दिनों चिट्ठों पर पर्यावरण, तकनीक, सिनेमा, विज्ञान, राजनीति, सामाजिक समस्या, शिक्षा, साहित्य, समाचार, कृषि, कहानी, विज्ञापन, शोध पत्र आदि से संबंधित विचारों का आदान–प्रदान किया जा सकता है। आज दूर–दराज के लोग चिट्ठों के माध्यम से संपर्क बनाए रखते हैं। यह विश्व के साथ जोड़ने के अलावा निजी संपर्क का माध्यम भी बन चुका है। ब्लॉगर अपने ब्लॉग की जानकारी सोशल मीडिया (फेसबुक, वाट्स एप, गूगल प्लस, ट्विटर) में शेयर करके ब्लॉग की पाठक संख्या बढ़ा सकता है।

- **हिंदी चिट्ठाकार :**

आज कई चिट्ठाकार अपने विचार एवं रचना की प्रस्तुति ब्लॉग के माध्यम से कर सकते हैं। इसमें कई हिंदी चिट्ठाकार है; जैसे – ज्ञान दत्त पांडेय का मानसिक हलचल, अविनाश वाचस्पति का नुक्कड़, समीर लाल का उड़न तश्तरी, संजय बेगाणी का जोग लिखी, अनूप शुक्ल का फुरसिया, विमल वर्मा का ठुमरी, अरविंद मिश्र का साईं ब्लॉग, विमल वर्मा का ठुमरी, महेंद्र मिश्रा का समयचक्र, प्रवीण त्रिवेदी का प्राइमरी का मास्टर, आकांक्षा यादव का शिखर, अरविंद श्रीवास्तव का जनशब्द, रश्मि प्रभा का मेरी भावनाएँ, सतीश सक्सेना का मेरे गीत, निर्मला कपिला वीर का वहूटी, खुशदीप का देश्रामा, जाकिर अली रजनीश का तस्लीम आदि। ये चिट्ठाकार हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के साथ–साथ एक प्रेरक की भूमिका अदा करते हैं। इसके अलावा भड़ास, कबाड़खाना, मोहल्ला, तस्लीम आदि सामूदायिक चिट्ठे लोकप्रिय हैं।

निष्कर्ष :

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि ब्लॉगिंग विचारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और स्वयंरोजगार का भी। इसमें विचार सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, आर्थिक हो सकते हैं। विचारों की स्वतंत्रता का यह एक सशक्त माध्यम आज अनेक व्यक्तियों की आय साधन बन चुका है। अपने विचार दुनियाभर में पहुँचाने का इससे सस्ता एवं सरल माध्यम और कोई नहीं है। इसके माध्यम से आज कई ब्लॉगर सामाजिक सरोकार को प्रतिबद्धता का रूप देने और अभिव्यक्ति को संवेदना के साथ जोड़ने का एक महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। जन सरोकार से संबंधित विषयों को अभिव्यक्त करने की दृष्टि से हिंदी चिट्ठाकारिता एक सार्थक पहल है। संक्षेप में सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सरोकार के बलबूते हिंदी ब्लॉगिंग का सफर आज समयसीमा की दूरियों को पार करता हुआ हिंदी भाषा को वैश्विक धरातल पर स्थापित कर रहा है। यह ब्लॉगर की सर्जनात्मकता को बढ़ावा दे रहा है, नई तकनीक एवं तरकीब सिखा रहा है और आय का सशक्त साधन बन रहा है। आज हिंदी अध्येता हिंदी ब्लॉगिंग के तहत हजारों रुपए प्रतिमाह कमा रहे हैं; जो एक स्वयंरोजगार का बहुत ही सुनहरा अवसर है।

सन्दर्भ :–

1. http://www.blogger.com
2. hi.m.wikipedia.org
3. https://hindi.thebetterindia.com
4. https://readerblogs.navbharattimes.indiatimes.com
5. http://freeblogcreate.blogspot.com
6. https://webinhindi.com

Scanned by CamScanner